www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2006

राजनीति विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

प्रश्नपत्र-II

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

Paper-II

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time allowed : Three Hours] *[Maximum Marks : 200*

*नोट : कुल **पाँच** प्रश्नो के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या **1** तथा **6** अनिवार्य हैं । इनके अतिरिक्त तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिनमें प्रत्येक खण्ड से कम से कम कम एक प्रश्न हो ।*

***Note :** Answer **five** questions in all. Question Nos. **1** & **6** are compulsory. Attempt **three** more questions of which at least **one** should be from each Section.*

खण्ड – I

SECTION – I

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिये जिनमें से प्रत्येक **300** शब्दों से अधिक न हो :

   (अ) "शीतयुद्ध के संदर्भ में विकसित मोर्गनथाऊ का 'यथार्थतावादी सिद्धांत' 21वीं शताब्दी की यथार्थताओं के अध्ययन के लिए भी उपयोगी है ।"

   (ब) "विदेश नीति निर्धारण में राष्ट्रीय हित की अवधारणा ने विचारधारा को गौण बना दिया है ।"

   (स) "पर्यटन, पर्यावरण और मानवाधिकार भावी अन्तराष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभायेंगे ।"

   Comment upon the following in not more than **300** words each :

   (a) "The Realist theory of Morganthaeu, developed in the context of Cold War, is relevant for the study of realitics of 21st Century."

   (b) "The concept of National Interest in the determination of foreign policy has rendered ideology secondary."

   (c) "Tourism, Environment and Human Rights will play a decisive role in future International Politics".

2. "नव उपनिवेशवाद उस रिक्तता को भरने में सफल नहीं हो सकता, जो युद्धोत्तर विश्व में अउपनिवेशीकरण के कारण पैदा हुई है ।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

   "Neo-Colonialism cannot fulfil the vacuum, which decolonisation has created in the post war world." Illustrate your answer.

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

3. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका संयुक्त राष्ट्र को सशक्त बनाने में असफल रही है ।" क्या आप सहमत हैं ?

"The role of regional organisations in international relations has failed to strengthen the United Nations." Do you agree ?

4. "असंलग्रता एक मिथ्या नामकरण है । इसने उत्तर शीतयुद्ध की अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राजनय की भूमिका को बाधित किया है ।" टिप्पणी लिखिये ।

"Non-alignment is a misnomer. It has obstructed the role of diplomacy in post-cold war International Politics". Comment.

5. नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था का महत्त्व समझाते हुए उन प्रयासों का मूल्यांकन कीजिए जो नये अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों से जन्म ले रहे हैं ।

Assess the significance of New International Economic Order and evaluate the efforts resulting from new international political equations.

खण्ड – II

SECTION – II

6. निम्नलिखित पर अपने विचार व्यक्त कीजिए जिनमें से प्रत्येक **300** शब्दों से अधिक न हों :

(अ) दक्षिण-दक्षिण सहयोग

(ब) भारत, चीन और रूस मैत्री

(स) पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय संघर्ष

Comment upon the following in not more than **300** words each :

(a) South-South Cooperation.

(b) India, China and Russia Axis.

(c) Regional Conflict in West Asia.

7. भारत के पड़ोसियों के साथ भारत की विदेश नीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

Critically examine India's foreign policy in relation to her neighbours.

8. रूस-चीन सम्बन्धों का परीक्षण कीजिए । अमेरिका और भारत सम्बन्धों को यह किस प्रकार प्रभावित करते हैं ?

Examine the Sino-Soviet relations. How do they influence Indo-U.S. relations ?

9. भारत-चीन सम्बन्धों में 'नेपाल' का महत्त्व समझाइए ।

Discuss 'Nepal' as a factor in Sino-Indian relations.

10. "अमेरिका और रूस की आन्तरिक राजनीति उनकी विदेश नीतियों में परिवर्तन ला रही है" । कैसे और कितना समझा कर लिखिये ।

"The domestic Politics of U.S.A. and Russia tends to change their foreign policies". How and to what extent ?

Your Personal Exam Guide

22